उत्पादों के दाम बढ़ने के बावजूद यात्री वाहनों की रिकॉर्ड बिक्री

बीते साल खुदरा वाहन बिक्री 15 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। देश में वाहनों की खुदरा बिक्री 2021 के मुकाबले 2022 में 15.28 फीसदी बढ़कर 2.11 करोड़ इकाई पर पहुंच गई। इसमें यात्री वाहनों और ट्रैक्टर की रिकॉर्ड बिक्री हुई है।

वाहन डीलर संघों के महासंघ चानी फाडा ने गुरुवार को यह जानकारी दी। फाडा ने एक बयान में बताया कि 2021 में भारत में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 1.83 करोड़ इकाई थी।

वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री 2022 में 8,65,344 इकाई रही जो 2021 में बिके 6,55,696 वाहनों से 31.97 फीसदी अधिक है। हालांकि, साल के अंतिम माह दिसंबर में बिक्री जरूर घटी है। आंकड़ों के मुताबिक गाड़ियों की कुल बिक्री इस अवधि में पांच फीसदी घटी है। बाकी सभी क्षेत्रों में बिक्री में बढ़त रही।

उद्योग संगठन का कहना है कि आने वाले दिनों में विपरीत वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों, ब्याज दरों में इजाफा और महामारी के लंबे समय तक चलने वाले प्रभाव के कारण कारोबार में सुस्ती बनी रह सकती है।

फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा है कि वर्ष 2022 में यात्री वाहन श्रेणी में तेजी जारी रही और 34.31 लाख इकाइयां बिकीं।

34.31 लाख यात्री वाहनों की रिकॉर्ड बिक्री

31.97 फीसदी ज्यादा बिके वाणिज्यिक वाहन

वाहन कलपुर्जा का आयात से अधिक निर्यात किया

भारतीय वाहन कलपुर्जा विनिर्माता संघ ने कहा कि प्रगति मैदान में 12-16 जनवरी, 2023 के बीच आयोजित होने वाली वाहन कलपुर्जा प्रदर्शनी में 800 से अधिक कंपनियां भाग लेंगी। एसीएमए के महानिदेशक विन्नी मेहता ने कहा कि कलपुर्जा निर्यात पिछले साल 43 प्रतिशत बढ़कर 19 अरब डॉलर हो गया। पिछले साल आयात करीब 18.30 अरब डॉलर का रहा और भारत पहली बार इस क्षेत्र में विशुद्ध निर्यातक बनकर उभरा।

वाहन क्षेत्र में बिक्री ने बढ़ाया उत्साह

वाहन श्रेणी	वर्ष 2021	वर्ष 2022	तेजी/ (%में)
यात्री वाहन	29,49,182	34,31,497	16.35
तिपहिया	3,73,562	6,40,659	71.47
वाणिज्यिक	6,55,696	8,65,344	31.97
ट्रैक्टर	7,69,638	7,94,979	3.29
दोपहिया	1,35,73,682	1,53,88,062	13.37
कुल बिक्री	1,83,21,760	2,11,20,441	15.28

दोपहिया में चुनौती जारी

फाडा के मुताबिक बढ़ती लागत, ग्रामीण बाजारों में रौनक नहीं लौटने से दोपहिया श्रेणी में बिक्री कम रही है। यही दिसंबर 2022 में भी दोपहिया वाहनों की बिक्री में 11 फीसदी की गिरावट देखने को मिली।

दोपहिया में सुस्ती क्यों

1. मुद्रास्फीति में वृद्धि,
2. दोपहिया वाहन स्वामित्व की बढ़ी हुई लागत
3. ग्रामीण बाजार ने अभी पूरी तरह से तेजी की राह नहीं पकड़ी
4. शहरों में ईवी की बिक्री में वृद्धि